हरिभूमि
# रेवाड़ी भूमि
रोहतक, शुक्रवार 16 जनवरी 2026

**तापमान**

अधिकतम 21.5 डिग्री
न्यूनतम 0.5 डिग्री

10 जहां बिराजे शीश का दानी मेरा है लखदातार... भजन पर जमकर झूमे श्याम भक्त

10 सड़कों पर गोवंश को लेकर चेयरमैन सख्त, अफसरों को दिए सख्त निर्देश, कारोली में बनेगा गो-अभ्यारण

## खबर संक्षेप

### परखोत्तमपुर के पास मिला बुजुर्ग का शव

**जाटूसाना।** परखोत्तमपुर गांव के पास एक लगभग 62 वर्षीय बुजुर्ग का शव मिला है। गांव के बाहर खेतों में एक शव पड़ा देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद जाटूसाना थाना पुलिस ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। बाद में शव को पहचाने के लिए मोर्चरी में रखवा दिया। अनुमान लगाया जा रहा है कि बुजुर्ग की मौत ठंड लगने से हुई है।

### सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। कसोला पुलिस ने सड़क हादसे के बाद गत वर्ष 11 दिसंबर को केस दर्ज किया था। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने इस मामले में जांच के बाद राजस्थान के अलवर निवासी चिरंजीलाल को गिरफ्तार कर लिया। उसका ट्रक भी कब्जे में लिया गया है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

### मारपीट मामले का एक आरोपी गिरफ्तार

**धारूहेड़ा।** पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर गत वर्ष 13 अगस्त को आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के मुसारी निवासी आफ्ताब को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

### दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** पुलिस ने दहेज उत्पीड़न व जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। कई बार पुलिस थाने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई, लेकिन उनमें सुलहनामा नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस ने गत वर्ष 23 दिसंबर को ससुराल पक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने महेंद्रगढ़ के बहाली निवासी संजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उसे बाद में पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

### एनडीपीएस एक्ट के तहत दो गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** पुलिस ने बीते साल नवंबर माह में दर्ज किए गए एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने नशीला पदार्थ बरामद होने के बाद गत 23 नवंबर को केस दर्ज किया था। एक आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में कोसली सीआईए ने जांच करते हुए मंगलेश्वर निवासी अंकित और बड़ा तालाब निवासी अजय कुमार को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

### बीएसएनएल की केबल कटने से परेशानी

**रेवाड़ी।** भारत संचार निगम लि. की केबल कटने से दर्जनों लैंडलाइन फोन ठप हो गई। इसके साथ ही निगम की इंटरनेट सेवा भी घंटों बंद रही। बिजली लाइनों की मेंटिनेंस कार्य के चलते वीरवार सुबह निगम की केबल कट गई। इससे कई उपभोक्ताओं के फोन बंद हो गए। इंटरनेट सेवा भी बंद हो गई। पता चलने के बाद निगम कर्मियों ने केबल जोड़ने का कार्य शुरू किया।

*सब्जियों की फसल भी आ रही पाले की चपेट में, बारिश नहीं होने से किसानों को परेशानी*

# किसानों की उम्मीदों को झटका, फसलों पर बनी सफेद चादर, सरसों को भारी नुकसान का अंदेशा

**पहाड़ों की बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में कड़ाके की ठंड के रूप में देखने को मिल रहा है। सर्द हवाओं ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया हुआ है। उत्तरी दिशा से चलने वाली बर्फीली हवाएं तापमान में गिरावट के साथ पाला जमाने का कार्य कर रही हैं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मकर संक्रांति से ठीक अगले ही दिन फसलों पर पाला जमने से बड़े नुकसान का अंदेशा बन गया है। सुबह के समय खेतों में पाला जमने से फसलों पर सफेद चादर देखने को मिली, जिसका परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा। पाला जमने से सरसों की अगेती फसल को भारी नुकसान का अंदेशा बन गया है, तो फूलों और सब्जियों की फसल भी पाले से बर्बाद होने लगी हैं। बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता लगातार बढ़ रही है। वीरवार को सुबह के समय भारी ठंड के बीच खेतों में जगह-जगह सफेद रंग की चादर बनी हुई मिली। फसलों पर भारी मात्रा में पाला जमा हुआ था। 11 और 12 जनवरी को रात का तापमान शून्य से नीचे चले जाने के कारण खेतों में फसलों पर पाला जम गया था। तीसरी बार पाला जमने से सरसों की अगेती फसल को भारी नुकसान की आशंका बनी हुई है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार अगेती सरसों में दाना बनना शुरू हो गया है। पाला जमने से फलियों के अंदर दाना खराब रहने के पूरे चांस रहते हैं। पाला जमने के बाद नुकसान का पता कुछ दिन बाद चलता है। पाले की मार से सरसों का दाना कुछ दिन बाद गलकर खराब हो जाता है, जिससे फसल उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होता है। मकर संक्रांति से पहले और ठीक बाद में बड़े स्तर पर पाला जमा है, जिससे फसल उत्पादन प्रभावित होने की पूरी आशंका जताई जा रही है। इस समय सूखी ठंड के कारण किसानों की चिंता काफी बढ़ गई है। बीते साल जनवरी माह में बारिश होने से किसानों को काफी राहत मिली थी। इस बार बीते दिसंबर से लेकर आधी जनवरी तक बारिश नहीं हुई है। फसलों को बचाने के लिए किसान सिंचाई पर ही निर्भर हैं।

रेवाड़ी। पाला जमने से मुड़ी हुई सरसों की फसल, वीरवार सुबह सड़क पर छाया घना कोहरा।

### मौसम में बदलाव संभव

मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ की सक्रियता के चलते शुक्रवार को आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। दो से तीन दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान रात के तापमान में वृद्धि होने से कड़ाके की ठंड से कुछ हद तक राहत मिल सकती है।

### नियमित सिंचाई से ही बचाव संभव

फसलों पर पाला जमने से बचाने के लिए उनकी नियमित रूप से हल्की सिंचाई करना ही मुख्य उपाय है। सिंचाई करने से जमीन का तापमान बढ़ जाता है, जो पाला जमने से रोकने में मददगार साबित होता है। इस समय फसलों पर पाला जम रहा है, जिसका असर आने वाले कुछ दिनों बाद देखने को मिलेगा। सरसों की अगेती फसल को नुकसान का अंदेशा ज्यादा बना हुआ है।
-डा. धमबीर यादव, निदेशक, कृषि अनुसंधान केंद्र, बावल।

### कोहरे ने रोके रखी वाहनों की रफ्तार

कड़ाके की ठंड के बीच सुबह के समय सघन कोहरा यातायात की रफ्तार पर ब्रेक लगा रहा है। वीरवार को सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा, जिससे सड़क तथा रेल यातायात प्रभावित हुए। दिल्ली-जयपुर प्रमुख नेशनल हाइवे पर वाहन रेंगते हुए नजर आए। वाहन चालक लाइटें जलाकर एक-दूसरे के पीछे चलते हुए नजर आए। लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन आधे से एक घंटे की देरी से हुआ, जिससे रेल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह 9 बजे बाद सूर्यदेव की चमक ने कोहरा साफ कर दिया, जिससे यातायात सुचारू हो सका।

### रात का तापमान तीसरी बार गिरा

रात का तापमान इस सीजन में तीसरी बार जमाव बिंदू पर पहुंचा है। लगभग एक दशक बाद इस साल पहली बार पारा माइनस में पहुंचा है। वीरवार को अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 21.5 डिग्री पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 1.0 डिग्री की गिरावट के साथ 0.5 डिग्री पर आ गया। हवा में नमी का स्तर 69 प्रतिशत रहा, जबकि हवाओं की गति 10 किलोमीटर प्रति घंटा रही। ठंड के कारण प्रदूषण की समस्या भी लगातार बढ़ रही है। वीरवार को धारूहेड़ा का एक्यूआई सुबह के समय 291 तक पहुंच गया। तेज धूप निकलने के बाद शाम के समय इसमें कुछ हद तक सुधार हो गया।

## मुठभेड़ के बाद काबू बदमाशों का हथियार सप्लायर गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** थाना धारूहेड़ा पुलिस ने गत 10 जनवरी की रात पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद काबू किए गए बदमाशों के हथियार सप्लाई करने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। सीआईए प्रभारी निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने मुठभेड़ के बाद अंकित उर्फ चमन हत्याकांड के वांछित आरोपी गांव गोकलगढ़ निवासी हर्ष उर्फ तोतला उर्फ चिता, नीरज उर्फ अज्जु, रोहतक के गांव भाली आनंदपुर निवासी विकास उर्फ मोटू व जिला जींद के गांव गुड़ा खेड़ा निवासी रितिक को क्रॉस फायरिंग के बाद काबू किया था। हर्ष और विकास पुलिस की गोली पैरों में लगने के कारण घायल हो गए थे, जबकि दो अन्य ने सरेंडर कर दिया था। आरोपितयों के कब्जे से दो देशी कट्टे, एक पिस्टल, एक मैगजीन, 4 जिंदा कारतूस और बिना नंबर की स्विफ्ट कार बरामद किए गए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया था कि उन्हें हथियार गांव गोकलगढ़ निवासी तरुण उर्फ तन्नु ने उपलब्ध करवाए थे। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद तरुण उर्फ तन्नु को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेजने के आदेश हुए। उसे एस्कोर्ट गार्द के हवाले कर दिया गया।

## अंकित हत्याकांड के आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर लाएगी पुलिस

**रेवाड़ी।** गत वर्ष 15 अक्टूबर को हुई आदर्श नगर निवासी अंकित की हत्या के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी अनुज उर्फ डॉक्टर को सोनीपत एसटीएफ ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उसे थाना सदर पुलिस जल्द प्रोडक्शन वारंट पर सोनीपत से लाएगी। अंकित हत्याकांड में पुलिस पांच आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आदर्श नगर निवासी अंकित को बदमाश जबरदस्ती उठा ले गए थे। उसके साथ जमकर मारपीट की गई थी। बेसुध होने के बाद उसे पटौदी रोड आईटीआई के पास डालकर बदमाश फरार हो गए थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसेअस्पताल पहुंचाया था, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। थाना सदर पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करने के बाद महमपाल, रविंद्र, शिवम, गजेंद्र व सोनिया को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

# अवैध हथियार सहित दो आरोपी काबू, तीन दिन के रिमांड पर लिए

- आरोपियों को रिमांड पर लेकर हथियारों की खरीद के बारे में पता लगाने के प्रयास किए जा रहे

रेवाड़ी। अवैध हथियार के साथ पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना सदर पुलिस ने अवैध हथियार रखने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से देशी कट्टा व 2 खाली खोल बरामद किए गए हैं। आरोपियों को कोर्ट से तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि राहुल उर्फ कपिल निवासी गांव खलीलपुर जिला गुरुग्राम अपने साथी विकास उर्फ तर्रे निवासी गांव चिल्हड के साथ पटौदी फ्लाईओवर के नीचे अपनी स्कूटी पर बैठा हुआ है। जिनके पास अवैध हथियार है। सूचना पर तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंच कर साथी मुलाजमान की मदद से आरोपियों को काबू करके नाम पता पूछा तो उन्होंने अपना नाम राहुल उर्फ कपिल निवासी गांव खलीलपुर जिला गुरुग्राम व विकास उर्फ तर्रे निवासी गांव चिल्हड़ बताया। आरोपियों की तलाशी लेने पर 1 अवैध देशी कट्टा व दो खाली खोल बरामद हुए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना सदर में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज करके दोनों आरोपी राहुल उर्फ कपिल व विकास उर्फ तर्रे को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को रिमांड पर लेकर हथियारों की खरीद के बारे में पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

# एसडीएम के निरीक्षण से स्टोर संचालकों में हड़कंप

**कई स्टोर संचालक मेडिकल स्टोर बंद कर मौके से गायब हुए**

### तिहाड़ा महाविद्यालय की निर्माण व्यवस्था का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

बावल। कॉलेज निर्माण कार्य व मेडिकल स्टोर का निरीक्षण करते एसडीएम मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम मनोज कुमार वीरवार को मेडिकल स्टोरों पर निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। इससे स्टोर संचालकों में हड़कंप मच गया। कई स्टोर संचालक मेडिकल स्टोर बंद करने के बाद गायब हो गए। इससे पूर्व उन्होंने तिहाड़ा में निर्माणाधीन कॉलेज भवन का भी एसडीएम ने निरीक्षण किया। एसडीएम ने कॉलेज बिल्डिंग के निर्माण कार्य का जायजा लेने के बाद अधिकारियों से कहा कि नवनिर्मित भवन में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 15 फरवरी से पहले राजकीय कन्या महाविद्यालय के भवन को दुरूस्त किया जाए, ताकि आगामी सत्र में महाविद्यालय को नई इमारत में शिफ्ट किया जा सके। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग बावल के उपमंडल अभियंता, हॉर्टिकल्चर बावल के उपमंडल अभियंता, लोक निर्माण विभाग बावल के इलैक्टीकल डिवीजन के उपमंडल अभियंता, उपमंडल अभियंता डीएचबीवीएन, उपमंडल अभियंता जन स्वास्थ्य विभाग सहित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी बावल मौजूद रहे।

### औषधि नियंत्रक के साथ पहुंचे स्टोर

औषधी नियंत्रक रजनीश धानीवाल भी मौजूद रहे। एसडीएम बावल मनोज कुमार ने निरीक्षण के दौरान जिन मेडिकल स्टोर पर ड्रग्स एक्ट की अनियमितता पाई गई उनके संचालकों को खाद्य एवं औषधि नियंत्रण विभाग की तरफ से नोटिस जारी करने के साथ इन मेडिकल स्टोर पर लाइसेंस अथॉरिटी के माध्यम से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसडीएम मनोज कुमार ने सभी मेडिकल स्टोर संचालकों को सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में रखने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसा न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# होमगार्ड पर जानलेवा हमले का आरोपी दोषी करार

- सात साल कारावास और 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एडीएसजे अंकिता शर्मा की अदालत ने लगभग ढाई साल पहले एक होमगार्ड जवान पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोपी को दोषी करार दिया है। उसे सात साल कारावास और 12 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना अदा नहीं करने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। 28 जून 2023 को प्रधान सिपाही सुधीर कुमार, स्टाफ चालक होमगार्ड अनिल कुमार व होमगार्ड विक्रम सिंह रेलवे चौक पर ड्यूटी पर मौजूद थे। नई आबादी निवासी अक्षय ने पुलिस को सूचना दी थी कि मोहल्ला आजाद नगर निवासी विनोद कुमार शराब पीकर उसके घर में झगड़ा व तोड़फोड़ कर रहा है। पुलिस टीम अक्षय को साथ लेकर मोहल्ला नई आबादी पहुंची थी, जहां विनोद कुमार और उसका साथी मोहित निवासी गांव आलमपुर, राजस्थान नशे की हालत में झगड़ा कर रहे थे। इन लोगों ने पुलिस के साथ झगड़ा करना शुरू कर दिया। विनोद कुमार घर के अंदर से चाकू लाया और होमगार्ड अनिल कुमार के सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल होमगार्ड जवान को तुरंत ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया था। हमले के बाद दोनों आरोपी धक्का-मुक्की कर मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना शहर रेवाड़ी में हत्या के प्रयास व सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दोनों आरोपियों को दिनांक 29 जून 2023 को गिरफ्तार कर लिया था।

### एक दर्जन से अधिक गवाहियां

जांच के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दायर की थी। पुलिस की ओर से अदालत में साक्ष्य प्रस्तुत किए गए थे। लगभग एक दर्जन लोगों की गवाहियां कोर्ट में हुईं। इनमें पुलिस और मेडिकल करने वाले डॉक्टर भी शामिल थे। दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद एडीएसजे कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुना दी।

**दर्दनाक** हादसे के बाद लगा भीषण जाम लोगों को झेलनी पड़ी परेशानी कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए

# बेकाबू ट्रक ने दो वाहनों को मारी टक्कर, दीवार तोड़ बूस्टिंग स्टेशन में घुसा, चपेट में आने से एक की मौत

लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए दूसरे वाहनों के चालकों में भी खौफ दिखाई दिया ट्रक चालक मौके से फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कापड़ीवास फ्लाईओवर के पास वीरवार सुबह एक बेकाबू ट्रक दो कारों व दुपहिया वाहनों को टक्कर मारने के बाद डिवाडर कूदकर बूस्टिंग स्टेशन की दीवार तोड़ते हुए अंदर घुस गया। ट्रक की चपेट में आने से एक रेहड़ी लगाने वाले की मौत हो गई, जबकि दोनों कारों के चालक घायल हो गए। बाद में चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी। सुबह के समय राजस्थान के भिवाड़ी कस्बा से ट्रक 75 फुटा रोड से कापड़ीवास की ओर आ रहा था। जब ट्रक दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे के करीब पहुंचा, तो ट्रक ने दो कारों स्विफ्ट व ईको कार को टक्कर मार दी। दोनों कार हादसे में क्षतिग्रस्त हो गई। कारों को टक्कर मारने के बाद ट्रक डिवाइडर कूदकर पास में बने बूस्टिंग स्टेशन की दीवार को तोड़कर अंदर घुस गया। बूस्टिंग स्टेशन की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में कापड़ीवास गांव में किराए के मकान में रहने वाला मूल रूप से यूपी निवासी बहरा हवाई ट्रक की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह फ्लाईओवर के पास ही फास्ट फूड की रेहड़ी लगाता था। उसकी रेहड़ी भी चकनाचूर हो गई। पास खड़े दुपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद काफी देर तक सड़क पर जाम लगा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर जाम खुलवाया।

रेवाड़ी। हादसे के बाद मृतक की रेहड़ी का बिखरा हुआ सामान व बूस्टिंग स्टेशन में घुसा ट्रक।

### लोगों में मच गई अफरा-तफरी

*ट्रक के बेकाबू होते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। सड़क से गुजर रहे वाहन चालक भी सहम गए। चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। क्षतिग्रस्त वाहनों के सड़क पर खड़ा होने के कारण काफी देर तक जाम लगा रहा। बाद में पुलिस ने वाहनों को हटवाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी।*

## जुआ खेलने के छह आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

**रेवाड़ी।** सिटी पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से जुए की राशि व ताश के पत्ते बरामद किए हैं। आरोपियों के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। बुधवार की रात को पुलिस को सूचना मिली थी कि मोहल्ला तकिया सराय में दुकानों के सामने बरामदे में खाली पड़ी जगह में कुछ लोग ताश के पत्तों से पैसे दाव पर लगाकर जुआ खेल रहे है। जिस सूचना पर तुरंत रेडिंग पार्टी तैयार करके बताए हुए स्थान पर पहुंच कर साथी मुलाजमान की मदद से आरोपियों को काबू करके नाम पता पूछा तो उन्होंने अपना नाम पवन कुमार निवासी मोहल्ला तेजपुरा, पवन निवासी मोहल्ला केवल बाजार, अशोक कुमार निवासी मोहल्ला काजीवाडा, संदीप निवासी मोहल्ला गुर्जरवाड़ा, भारत भूषण निवासी मोहल्ला स्वामीवाड़ा व शरद निवासी नजदीक भैंरू चौक बताया। आरोपियों की तलाशी लेने पर आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्ते व 10240 रुपये बरामद किए गए हैं।

रोचक / शिखर चंद जैन

# पट-पट उछलने-कूदने वाला पॉपकॉर्न!

बच्चो, पॉपकॉर्न यानी भुने हुए मकई के दाने। मकई के दाने भूनते समय तुमने देखा होगा, कैसे पट.. पट.. करके उछलते-कूदते हैं। इन्हें देखकर बहुत मजा आता है। ये भूनते समय इस तरह क्यों उछलते-कूदते हैं? इन्हें इस तरह कब से खाए जाने की शुरुआत हुई, इनका क्या है इतिहास, इसका नाम पॉपकॉर्न कैसे पड़ा? पॉपकॉर्न से जुड़ी रोचक जानकारियां।

बच्चो, पॉपकॉर्न एक ऐसा स्नैक्स है, जो टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होता है। हल्की-फुल्की भूख के लिए पॉपकॉर्न एक बेहतरीन ऑप्शन है। तुम्हारा यह पसंदीदा पॉपकॉर्न दुनिया भर में पॉपुलर है। क्या तुम्हें पता है, पॉपकॉर्न की पसंद और इसके हेल्थ बेनिफिट्स को सेलिब्रेट करने के लिए 'पॉपकॉर्न-डे' भी मनाया जाता है। बच्चो, हर साल 19 जनवरी को अमेरिका में 'नेशनल पॉपकॉर्न-डे' मनाया जाता है।

**नया नहीं है पॉपकॉर्न:** कॉर्न (मकई) के एक विशेष प्रकार, जिसका वैज्ञानिक नाम 'जिया मेज एवर्टा' है, से पॉपकॉर्न बनाया जाता है। यह मकई



इस मायने में अलग है कि इसका पेरिकार्प यानी छिलका मोटा होता है। पॉपकॉर्न बनाने की शुरुआत 5000 साल से भी पहले हो चुकी थी। पेरू में 6700 साल पहले भी पॉपकॉर्न खाए जाते थे, इस बात के भी प्रमाण मिले हैं।

**कब हुआ पॉपुलर:** 1885 में चार्ल्स क्रेटर्स द्वारा मोबाइल पॉपिंग कार्ट के आविष्कार के बाद से पॉपकॉर्न पॉपुलर हुआ। इसके बाद से पॉपकॉर्न आसानी से तैयार किए और खरीदे-बेचे जाने लगे। धीरे-धीरे यह बच्चों और बड़े सभी का फेवरेट स्नैक्स बनता गया। खाने के साथ-साथ पेड़-पौधों की सजावट में भी इसका इस्तेमाल किया जाने लगा। आज भी कई जगहों पर क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए पॉपकॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है।

**उछलता है इसलिए नाम पड़ा 'पॉप' कॉर्न:** पॉपकॉर्न के दानों में 14 प्रतिशत तक नमी होती है। जब इन दानों को गर्म किया जाता है, तो पानी भाप बन जाता है। यह भाप जब दाने से बाहर आने का प्रयास करती है तो दाना पट-पट की आवाज के साथ उछलता है और फूट जाता है। जिससे ये पॉपकॉर्न बन जाते हैं। फूटते समय पॉपकॉर्न 3 फीट (लगभग 1 मीटर) तक उछल सकता है। इसके उछलने की प्रवृत्ति के कारण ही इसे 'पॉप' कॉर्न कहते हैं।

**तरह-तरह के पॉपकॉर्न:** पॉपकॉर्न कई तरह के होते हैं। 'जिया मेज' की लगभग 25 विभिन्न किस्में हैं। इनमें से दो प्रमुख प्रकार हैं-राइस पॉपकॉर्न और पर्ल पॉपकॉर्न। मक्के की यह प्रजाति आमतौर पर छोटी होती है। इसके दाने का आवरण और बाहरी भ्रूणपोष बेहद सख्त होता है।

**दो तरह के मुख्य शेप:** पॉपकॉर्न मुख्य रूप से दो अलग-अलग शेप में फूटते हैं।

**स्नोफ्लेक:** यह आकार में बड़ा और ऊबड़-खाबड़ होता है। मूवी थिएटर में तुम यही पॉपकॉर्न खाते हो। यह दिखने में ज्यादा लगता है।

**मशरूम:** यह गोल और ठोस होता है। इसका इस्तेमाल तब किया जाता है, जब पॉपकॉर्न पर चॉकलेट या कैरेमल की परत चढ़ानी हो, क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है।

**हेल्दी ब्रेकफास्ट है पॉपकॉर्न:** पॉपकॉर्न खाने में मजा तो आता ही है, यह हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है। 19वीं सदी में इसे दूध और चीनी के साथ नाश्ते के रूप में खाया जाता था। आज भी इसे तरह-तरह से खाया जाता है। इसमें भरपूर फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। साथ ही पॉपकॉर्न, मैंगनीज, फॉस्फोरस और जिंक का अच्छा स्रोत है। इसमें कैलोरी बेहद कम होती है और हार्मफुल ग्लूटेन नहीं पाए जाते। आजकल मल्टीप्लेक्स मूवी थिएटर्स में बड़े-बड़े स्टाइलिश डब्बों में तरह-तरह के मसालों से युक्त पॉपकॉर्न खूब बिकते हैं। *

### दुनिया का सबसे बड़ा पॉपकॉर्न बॉल

बच्चो, क्या तुम इमेजिन कर सकते हो कि एक पॉपकॉर्न बॉल कितना बड़ा हो सकता है? अमेरिका के आयोवा राज्य के सैक सिटी में साल 2016 में 9,370 पाउंड (लगभग 4250 किलोग्राम) वजन का पॉपकॉर्न बॉल बनाया गया। यह पॉपकॉर्न बॉल 24 फीट चौड़ी और 8 फीट से ज्यादा ऊंची है। इस पॉपकॉर्न बॉल का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल है।

### माइक्रोवेव की खोज में मददगार बना पॉपकॉर्न

बच्चो, एक इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि तुम्हारे घर में रखे माइक्रोवेव ओवन का आविष्कार पॉपकॉर्न की वजह से ही हुआ था। साल 1945 में पर्सी स्पेंसर नाम के वैज्ञानिक एक मशीन पर काम कर रहे थे। उन्होंने देखा कि हीट की वजह से उनकी जेब में रखे पॉपकॉर्न के दाने अचानक फूटने लगे। इसी से उन्हें माइक्रोवेव बनाने का आइडिया आया।

पेंगुइन अपनी अनोखी शारीरिक संरचना के लिए जाना जाता है। इनकी ज्यादातर प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं। पेंगुइन पर मंडराते खतरे के कारण इनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 20 जनवरी को 'पेंगुइन अवेयरनेस-डे' मनाया जाता है। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

# अजब-अनूठा पक्षी पेंगुइन

पक्षी जगत

मच्छिंद्र ऐनापुरे

पेंगुइन पक्षी का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में एक प्यारे-से, काले-सफेद रंग का पक्षी आ जाता है, जो बर्फ पर मजेदार ढंग से मटकते हुए चलता है। बच्चो, दुनिया में पेंगुइन की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

**एंपरर पेंगुइन:** यह पेंगुइन की दुनिया का राजा माना जाता है। एंपरर पेंगुइन सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 3 फीट 7 इंच होती है। वजन 35 से 40 किलो तक होता है। ये अत्यंत ठंडे इलाके अंटार्कटिका में रहते हैं। एंपरर पेंगुइन शानदार तैराक होते हैं, ये गहरे समुद्र में गोते लगाकर तैरते हैं।



**येलो-आइड पेंगुइन:** यह पेंगुइन न्यूजीलैंड में पाया जाता है। इसकी पीली-पीली आंखें और सिर पर पीली धारियां होती हैं। इसकी शारीरिक विशेषताओं के आधार पर ही इसका नामकरण हुआ है।

**किंग पेंगुइन:** एंपरर पेंगुइन से आकार में थोड़े छोटे और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं-किंग पेंगुइन। इनके सिर के पास पानी की बूंद जैसा पीला निशान होता है। इनमें भी वे सभी विशेषताएं पाई जाती हैं, जो एंपरर पेंगुइन में होती हैं। ये भी अंटार्कटिका में पाए जाते हैं।

**रॉकहॉपर पेंगुइन:** इनकी आंखों के ऊपर सुंदर-सी भौंहें होती हैं। ये चट्टानों पर उछल-कूद करते हुए चलते हैं। रॉकहॉपर पेंगुइन की दो प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं। पहली, नॉर्दन रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें बड़ी और उभरी हुई होती हैं। दूसरी, सदर्न रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें थोड़ी छोटी होती हैं।

**मैकरोनी पेंगुइन:** इस पेंगुइन का नाम (खाने वाली डिश मैकरोनी) बड़ा मजेदार है न! इसका चेहरा काला, चोंच नारंगी और माथे पर पीले रंग की सुंदर कलगी होती है। यही इसकी पहचान है।

**लिटिल पेंगुइन:** नाम जैसा, आकार वैसा! ये दुनिया के सबसे छोटे आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई सिर्फ 12 से 13 इंच तक और वजन करीब 1.2 से 1.3 किलोग्राम तक होता है।

**गैलापैगोस पेंगुइन:** यह दुनिया की इकलौती पेंगुइन प्रजाति है, जो भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास रहती है। यह गैलापैगोस द्वीप समूह में पाई जाती है।

**अफ्रीकन पेंगुइन:** ये पेंगुइन अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया देशों में पाए जाते हैं। इन पेंगुइन की आंखों के चारों ओर फर नहीं होते और छाती पर काली पट्टी होती है। *



### भारत में भी देखी जा सकती है पेंगुइन

बच्चो, तुम सोच सकते हो कि कि पेंगुइन सर्द प्रदेशों/स्थलों में पाया जाने वाला पक्षी है, इसे भारत जैसे गर्म देश में नहीं देखा जा सकता, लेकिन ऐसा नहीं है। तुम अपने देश में भी पेंगुइन को देख सकते हो। मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले प्राणी संग्रहालय (रानी का बाग) में 18 पेंगुइन देखे जा सकते हैं। ये हंबोल्ट प्रजाति के पेंगुइन हैं, जो मूल रूप से पेरू और चिली से लाए गए हैं। साल 2016 में यहां सिर्फ 8 पेंगुइन थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 18 हो गई है।

कविता / फहीम अहमद

## मखमली धूप

ठिठुर रहे तन को लगती है
मखमल-सी जाड़े की धूप।
धीरे से मन को छू जाती
कोमल-सी जाड़े की धूप।
मीठे गीत सुनाती हमको,
कोयल-सी जाड़े की धूप।
सबके दिल में घर कर जाती
चंचल-सी जाड़े की धूप।
ठिठुरन वाले सन्नाटे में
हलचल-सी जाड़े की धूप।
जब छत पर लेटें तो ओढ़ें
कंबल-सी जाड़े की धूप।
नानी की गोदी, अम्मा के
आंचल-सी जाड़े की धूप।

## बूझो तो जानें

1
भूरा-काला रुई-सा हल्का
मैं नभ में उड़ता जाता।
बरसातों का दूत बनूं मैं
गड़-गड़ गड़-गड़ शोर मचाता।

2
सड़क नहीं, आकाश सवारी
पंख लगे, पर नहीं हूं चिड़िया।
लोगों को सुदूर पहुंचाऊं
वायु भांति मेरी गति बढ़िया।

3
बत्ती नहीं, न कोई तेल
रातों को कर देता जगमग।
ज्यों नींद खुले सूरज की
मैं छुप जाता चलकर डगमग।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.बादल, 2.हवाई जहाज, 3.जुगनू

## जीके क्विज-188

1. दृष्टिबाधित लोगों के लिए पहली ब्रेल लाइब्रेरी किस राज्य में खोली गई है?
2. भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच हाल ही में किसे नियुक्त किया गया है?
3. सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश कौन हैं?
4. इन दिनों 53वें विश्व पुस्तक मेला का आयेजन किस शहर में किया जा रहा है?
5. सापेक्षता का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) की खोज किसने की थी?
6. विश्व का सबसे घना जंगल कौन सा है?
7. लावणी किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?
8. भारत में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है?
9. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन सा है?
10. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' के लेखक कौन हैं?



बच्चो, जीके क्विज-188 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

**जीके क्विज-187 का उत्तर :** 1.दीप्ति शर्मा, 2. जापान, 3.काम्या कार्तिकेयन, 4.सारनाथ, 5.सी. राजगोपालाचारी, 6.ओडिशा, 7.विटामिन-ए, 8.मुंबई से ठाणे, 9.नाइक्रोम, 10.तमिलनाडु

**जीके क्विज-187 का सही उत्तर देने वाले :** गौरव-कोरबा, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-रायगढ़, कोमल-रोहतक, शुभम-रायपुर, रौनक-दुर्ग, कमल-बिलासपुर, सुमन-रायगढ़, शिप्रा-महासमुंद



कहानी

हरीश कुमार अमित

मयंक और उसके दादा जी ने एक दिन शर्त लगाई, कौन कितने देर बिना बोले रह सकता है, जो पहले बोलेगा, तय शर्त के अनुसार हर्जाना भरेगा। मयंक को लगा दादा जी शर्त हार गए, जबकि दादा जी को लगा मयंक हारा। लेकिन वास्तव में शर्त कौन जीता?

# लग गई शर्त



मयंक बहुत बातूनी है। लंबी-लंबी बातें करना उसे अच्छा लगता है। थोड़ी देर तक भी बिना बोले रहना उसके लिए मुश्किल है। आज मयंक के स्कूल की छुट्टी थी। वह दादा जी के कमरे में उनके पास बैठा उनसे बातें कर रहा था। बातों-बातों में दादा जी ने मयंक से शर्त लगा ली, कौन ज्यादा देर तक बिना बोले रह सकता है। शर्त के अनुसार उन दोनों में से जो पहले बोलेगा, वह शर्त हार जाएगा। दादा जी ने यह भी कहा कि अगर खुद वे शर्त हार गए तो मयंक को रेस्टोरेंट ले जाकर मसाला डोसा खिलाएंगे। और अगर मयंक शर्त हार गया तो वह पिछले दिनों अपने जन्मदिन पर मिले चॉकलेट के डिब्बे से पांच चॉकलेट दादा जी को देगा।

शर्त लगने के बाद दादा जी और मयंक दोनों एक-दूसरे से इशारों-इशारों में ही बातें करने लगे। घर में उस समय और कोई मौजूद नहीं था। मयंक के मम्मी-पापा कहीं गए हुए थे, उन्हें शाम तक ही घर लौटना था। मयंक को पूरा विश्वास था, वह शर्त जीत जाएगा।

थोड़ी देर बाद दादा जी के मोबाइल फोन पर मयंक के पापा का फोन आया। पापा ने यह बताने के लिए फोन किया था कि वे लोग शाम को आठ बजे तक ही वापस आ पाएंगे। दादा जी ने पापा की बात तो सुन ली, लेकिन खुद जो कहना था, वह टेक्स्ट मैसेज में लिखकर भेज दिया। साथ ही चुप रहने की शर्त के बारे में भी लिख दिया ताकि फोन पर उनके बात न करने के कारण पापा को कुछ अटपटा न लगे। थोड़ी देर बाद मयंक का जी करने लगा कि कुछ बोला जाए, लेकिन शर्त के कारण उसने अपने आपको रोके रखा। कुछ देर बाद अचानक मयंक को दादा जी की आवाज सुनाई दी। दादा जी की आवाज सुनते ही वह जोर से बोल उठा, 'मैं जीत गया! मैं जीत गया!' 'जीत तो मैं गया हूं, बेटा। तुम पहले जो बोल पड़े हो।' दादा जी ने हंसते हुए कहा।

'जीता तो मैं हूं, दादा जी! पहले आपकी आवाज सुनाई दी है!' मयंक ने दादा जी की बात का खंडन किया।

'आवाज से क्या होता है? बोले तो पहले तुम ही हो! इसलिए मैं शर्त जीत गया हूं।' दादा जी ने हंसते हुए जवाब दिया।

'कैसे, दादा जी? पहले आप बोले, तभी तो आपकी आवाज सुनाई दी।' मयंक ने दादा जी को समझाना चाहा।

'लेकिन मैं पहले बोला ही नहीं था। मैंने तो यह वीडियो चलाया था, जिसमें मेरी आवाज है।' कहते हुए दादा जी ने अपने कुर्ते की जेब से अपना मोबाइल फोन निकाल कर वह वीडियो फिर से चला दिया। यह वही वीडियो था, जो मयंक ने उनके फोन पर कुछ दिन पहले बनाया था। इस वीडियो में दादा जी मयंक को एक कहानी सुना रहे थे।

'पर यह तो चीटिंग है, दादा जी!' मयंक ने विरोध जताया।

'इसमें चीटिंग की क्या बात है? तुम्हें मेरी असली आवाज और वीडियो से आ रही आवाज का अंतर समझना चाहिए था।' दादा जी मुस्कुराते हुए बोले।

दादा जी का यह तर्क सुनकर मयंक जवाब में कुछ न बोल सका। उसने अपनी हार मान ली और चुपचाप एक तरफ बैठ गया।

मयंक का उदास चेहरा देखकर दादा जी कुछ देर सोचते रहे और फिर हंसते हुए बोले, 'बेटा, मैं तो मजाक कर रहा था तुमसे! शर्त तो तुम ही जीत गए हो, क्योंकि मेरी आवाज पहले सुनाई दे गई थी। असल में सुबह से ही मेरा बहुत मन कर रहा था कि तुम्हारे साथ रेस्टोरेंट में जाकर गरमा-गरम मसाला डोसा खाया जाए। इसीलिए मैंने तुम्हारे साथ यह शर्त लगाई थी, और मैं जान-बूझकर शर्त हार भी गया ताकि मसाला डोसा खाने की मेरी इच्छा पूरी हो सके।' दादा जी के मुंह से यह सब सुनकर मयंक मन ही मन बहुत खुश हो गया। दादा जी आगे बोले, 'तुम्हारे मम्मी-पापा को तो कई घंटे बाद घर लौटना है। तब तक हम दोनों चलते हैं रेस्टोरेंट में मसाला डोसे का आनंद उठाने। तुम तैयार हो जाओ फटाफट।'

यह सुनकर मयंक के चेहरे की उदासी मिट गई और वह खुशी-खुशी दादा जी के साथ रेस्टोरेंट जाने के लिए तैयार होने लगा। उसे दादा जी के साथ मसाला डोसे का आनंद जो लेना था। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

# रोचक-प्रेरक कहानी

बच्चो, दुनिया भर में बच्चों के लिए बहुत अच्छी-अच्छी किताबें लिखी जा रही हैं। ये किताबें तुम्हें जरूर पढ़नी चाहिए, क्योंकि ये तुम्हारा एक नए प्रकार का मनोरंजन करेंगी। इन किताबों को पढ़कर तुम जानोगे कि दुनिया कितनी मजेदार है, अद्भुत कल्पनाओं और रोमांच से भरी है। ऐसी ही एक किताब है 'स्टोरी ऑफ डॉक्टर डूलिटिल' यानी पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी। यह एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जो था तो इंसानों का डॉक्टर, लेकिन जानवरों का इलाज करने लगा। यह डॉक्टर जानवरों की बोलियां समझता ही नहीं था, उनके साथ बात भी करता था। यह सब उसे पोलेसेनिया नाम के एक तोते ने सिखाया था। जब डॉक्टर डूलिटिल पशु-पक्षियों से बात करके उनकी समस्याओं को जानकर उनका इलाज करने लगा तो उसके सभी बीमार पशु-पक्षी जल्दी-जल्दी स्वस्थ होने लगे। इस तरह वह डॉक्टर, इंसानों के इलाज के लिए ही नहीं, पशु-पक्षियों के इलाज के लिए भी बहुत मशहूर हो गया। फिर डॉक्टर डूलिटिल को अफ्रीका से एक संदेश मिला कि वहां के बंदरों में एक जानलेवा बीमारी फैली है, जिससे वे तेजी से मर रहे हैं। फिर क्या था, डॉक्टर डूलिटिल अफ्रीका के लिए निकल पड़े। इसके बाद क्या हुआ, यह जानने के लिए बच्चो, तुम्हें इस किताब को पढ़ना होगा। इस किताब के लेखक हैं ह्यु लॉप्टिंग, जिन्होंने सन 1920 में इसे लिखा था। यह किताब इतनी लोकप्रिय हुई कि डॉक्टर डूलिटिल की एक के बाद एक रोचक कहानियों वाली 12 किताबें प्रकाशित हुईं। इन पर कई फिल्में भी बनीं। दुनिया भर की अनेक भाषाओं में इन किताबों का अनुवाद भी हुआ है। ये किताबें विश्व बाल साहित्य की धरोहर हैं। *

**किताब :** पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी (फैंटेसी उपन्यास), **लेखक :** ह्यु लफ्टिंग, **अनुवाद :** आलोक कुमार, **मूल्य :** 199 रुपए, **प्रकाशक :** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

## अंतर बताओ

बच्चो, यहां अपने क्यूट से डॉगी के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सभी छह अंतर खोजकर बताओ-



उत्तर : 1. बाईं तरफ लड़की के बालों की लट खुली हुई नहीं है। 2.लड़की ने दाएं हाथ में ब्रेसलेट पहना हुआ है। 3.लड़की की टी-शर्ट पर फूल बना हुआ है। 4.लड़की का बायां हाथ खुला हुआ है। 5.डॉगी की आंखें बंद हैं। 6.डॉगी की जीभ अंदर है।

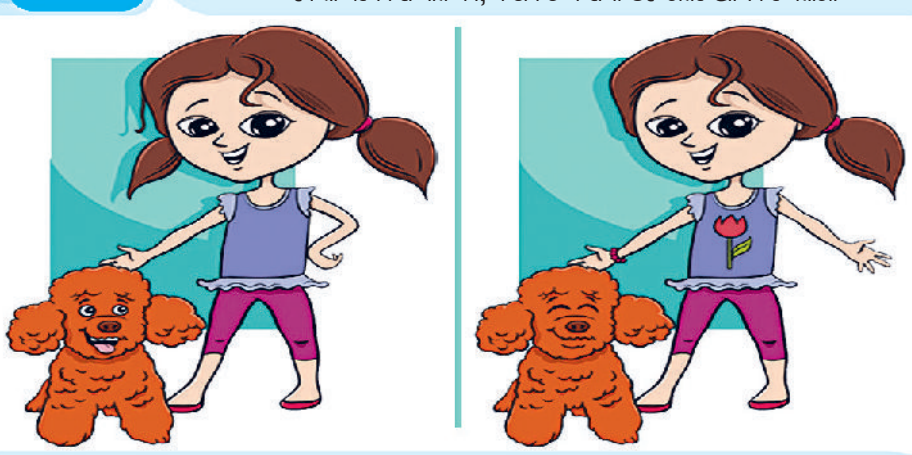

## गिनकर बताओ

बच्चो, यहां दो तरह की मछलियों के कई सारे चित्र दिए गए हैं। तुम गिनकर बताओ, किस मछली की संख्या कितनी है?

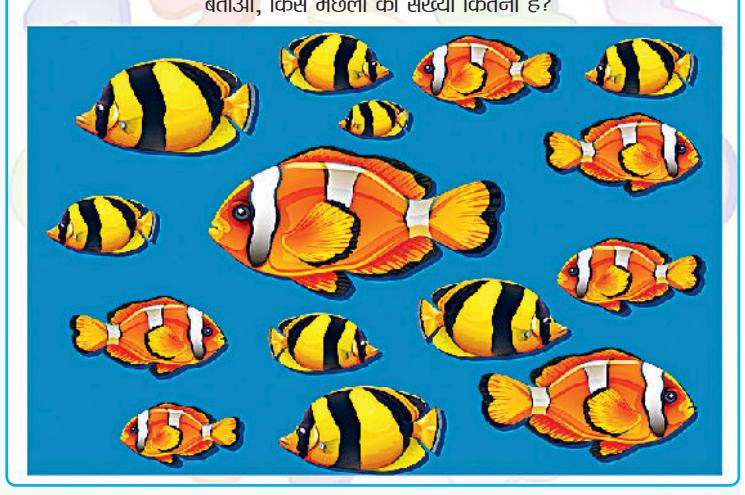

### जिले की एक नगर परिषद एवं चार नगर पालिकाओं में शुरू होगा स्वच्छता सर्वेक्षण

# इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग के लिए करनी होगी कड़ी मेहनत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में कुछ बदलाव कर दिए गए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अबकी बार इस सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग प्राप्त करने के लिए पहले से ज्यादा एवं कड़ी मेहनत करनी होगी। सर्वेक्षण को पहले की तुलना में अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जमीनी स्तर से जोड़ने के लिए यह बदलाव किए गए हैं। सर्वेक्षण में सबसे अधिक अंक जमीन स्तर के मूल्यांकन के साथ सिटीजन फीडबैक के लिए निर्धारित किए हैं। साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाओं के मूल्यांकन का लोगों के फीडबैक के आधार पर ही टीमें रिपोर्ट कार्ड तैयार करेंगी।

उल्लेखनीय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार में वर्ष 2016 में की शुरूआत की गई थी, जिसे आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत भारत के शहरों में स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की स्थिति का आंकलन करने के लिए शुरू किया गया था। यह विश्व का सबसे बड़ा शहरी स्वच्छता सर्वेक्षण है, जो 73 शहरों से शुरू होकर अब 4,500 से अधिक शहरी क्षेत्रों तक विस्तृत रूप ले चुका है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में शहरी निकायों को जनसंख्या के आधार पर पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है, ताकि छोटे, मध्यम और बड़े शहरों का निष्पक्ष मूल्यांकन हो सके। इसमें प्रथम श्रेणी में 20 हजार तक की जनसंख्या वाला शहर, दूसरी श्रेणी 20 से 50 हजार तक, तीसरी श्रेणी में 50 हजार 3 लाख तक, चौथी श्रेणी में 3 लाख से 10 लाख तथा पांचवीं श्रेणी में 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों को शामिल किया गया है।

नारनौल। नगर परिषद कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

#### पिछले साल की स्थिति

वर्ष 2024-25 के स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर परिषद नारनौल की स्टेट रैंकिंग पिछले वर्ष 2023–24 की तुलना में रैंकिंग 48 से बढ़कर 83 पर पहुंच गई थी। महेंद्रगढ़ पालिका की भी स्टेट रैंकिंग 43 से बढ़कर 56 पर पहुंची थी। इसी के मद्देनजर इस बार के सर्वेक्षण में मंत्रालय के नए मूल्यांकन नियमों के चलते साफ-सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे। तभी इस बार जिले की पालिका व परिषद की रैंकिंग में सुधार आ सकेगा।

#### पोर्टल पर अपलोड करना होगा डाटा

स्वच्छता सर्वेक्षण में भागीदारी करने वाली निकायों को स्वच्छतम पोर्टल पर त्रुटि रहित अपना पूरा डाटा अपलोड करना होगा। पोर्टल पर अपलोड किए जाने वाले डाटा को एजेंसी से एस्सेट करवाया जाएगा।

#### यह बोले टीम लीडर

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के लिए सर्वेक्षण टूलकिट जारी कर दिया गया है। इसकी विभिन्न श्रेणियों के मूल्यांकन के लिए अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए हैं। कुल 12,500 अंक निर्धारित किए गए हैं। इन अंकों को विभिन्न मापदंडों में विभाजित किया गया है, जिसमें कचरा प्रबंधन, साफ-सफाई, सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन, डंप साइट की स्थिति, जागरूकता अभियान और प्रशासनिक व्यवस्था शामिल हैं। प्रत्येक घटक के लिए अलग-अलग अंक निर्धारित किए गए हैं। सर्वेक्षण का उद्देश्य शहरों को स्वच्छता के प्रति और अधिक जवाबदेह बनाना तथा नागरिकों की सहभागिता को बढ़ावा देना है, ताकि स्वच्छता के मानकों में निरंतर सुधार किया जा सके।
-दीपक दुबे, सिटी टीम लीडर, स्वच्छ भारत मिशन (नगर परिषद नारनौल)

### जिला युवा अधिकारी ने की स्वयंसेवकों के साथ बैठक

**नारनौल।** माय भारत, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार माय भारत युवा मंडल विकास अभियान के तहत वीरवार को जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव की अध्यक्षता में स्वयंसेवकों की बैठक का आयोजन किया। जिसमें माय भारत प्लेटफॉर्म पर युवा क्लब व महिला मंडल के पंजीकरण की प्रक्रिया की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक गांव में युवा क्लब का गठन कर युवाओं को संगठित करना है।

### यादव सभा की आम बैठक 18 को होगी

**महेंद्रगढ़।** यादव सभा की नई कार्यकारिणी को लेकर 18 जनवरी को सुबह 11 बजे एक आमसभा आयोजित की जाएगी। संस्था के कन्वीनर डॉ. राजबीर यादव ने बताया कि 18 जनवरी को यादव सभा की एक आम बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें मुख्य रूप से नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और विस्तार से आगे की आगामी कार्रवाई पर विचार विमर्श किया जाएगा और संस्था में विकास कार्यों पर भी विचार विमर्श किया जाएगा।

### अतिक्रमणकारियों के किए चालान, शिकायतें मिलने पर की गई कार्रवाई

# मुनादी के बाद नपा ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

#### डीएमसी के दिशा-निर्देशन में लगातार रहेगा अभियान: चेयरपर्सन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

नगर को साफ-सुथरा शहर बनाने की दिशा में जिला नगर आयुक्त के दिशानिर्देश में नगर पालिका टीम ने वीरवार को अतिक्रणकारी दुकानदारों के दो-दो हजार रुपये के चालान किए गए। जिसे लेकर दुकानदारों ने नपा की टीम के साथ जिद्दोजहद भी की। नपा के अतिक्रमण हटाओ दस्ते में चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा, सचिव कपिल कुमार, लेखा सहायक श्यामलाल सहित सफाई कर्मचारी व पुलिस कर्मचारी शामिल थे। इस अभियान के तहत नगर की साफ-सफाई, अवैध रूप से लगे होर्डिंग बैनर हटाने, अतिक्रमण हटाने सहित विभिन्न गतिविधियों पर फोकस किया गया है। नगर पालिका चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा व सचिव कपिल कुमार ने बताया कि पिछले तीन दिन तक नगर में अतिक्रमण हटाने के लिए मुनादी करवाई गई है। जिसके अंतर्गत दुकानदारों को दुकान के शटर तक सामान लगाने की हिदायत दी गई थी। मुनादी के चलते कुछ दुकानदारों की ओर से कार्रवाई के भय से स्वयं ही सामान समेट लिया गया, जबकि कुछ अतिक्रमण हटाओ दस्ते के आगमन का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि दुकानदारों की ओर से तकत, फ्लैक्स व लोहे के बोर्ड सहित अन्य सामान दुकान से बाहर रखा हुआ था। मंडी टी प्वाइंट, बस स्टैंड के समीप, गाहड़ा रोड, डॉ. अम्बेडकर चौक, मंडी रोड पर अतिक्रमण के चलते समस्या बनी हुई है। उन्होंने बताया कि नपा कार्यालय में अतिक्रमण संबंधित शिकायत मिलने पर पहले मुनादी करवाकर वीरवार से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया है।

कनीना। अतिक्रमण हटवाते नपा कर्मचारी तथा नपा दस्ते से उलझते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

#### लगातार जारी रहेगा अभियान

नपा चेयरपर्सन डॉ. रिम्पी लोढ़ा ने कहा कि कॉलेज रोड, उप नागरिक अस्पताल के समीप भी अतिक्रमण की शिकायत मिल रही है। जिला नगर आयुक्त रणबीर सिंह के दिशानिर्देश में नपा की ओर से अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि नपा सचिव कपिल कुमार की अगुआई में दस्ते की ओर से अतिक्रमण हटाया जाएगा।

#### दुकानदार करें सहयोग

नगर पालिका सचिव कपिल कुमार ने कहा कि दुकानदारों की ओर से मार्ग में अतिक्रमण करने से सफाई व्यवस्था प्रभावित होती है। अतिक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए अभियान चलाया गया। दुकानदारों की ओर से बाहर लगाए गए सामान को दस्ते द्वारा जब्त किया गया। उन्होंने कहा कि साफ सफाई तथा शहर की सुंदरता के लिए सामूहिक रूप सहयोग जरूरी है।

## खबर संक्षेप

नारनौल। आंबेडकर प्रतिमा के सामने विरोध जताते हुए। फोटो : हरिभूमि

### कटक अधिवेशन रद्द करने के विरोध में धरना

**नारनौल।** भारत मुक्ति मोर्चा की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा प्रांगण में वीरवार धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संविधान के मौलिक अधिकार का उड़ीसा सरकार द्वारा कटक अधिवेशन रद्द करने एवं के विरोध में तथा जाति आधारित जनगणना करके सभी साधन संसाधनों में समान हिस्सेदारी की मांग को लेकर विरोध जताया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा प्रधान संयोजक जगदीश, भारत मुक्ति मोर्चा प्रधान अमरसिंह, जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह यादव, राज ऋषि, क्षत्रिय धर्म संघ महेंद्रगढ़ सवाई सिंह, महासचिव सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति बीसी गोठवाल, सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति अध्यक्ष चंदन सिंह जालवान, अनिल सैनी, जिले सिंह सिरोहा, लाजपत सिरोहा, लालाराम, ओमप्रकाश, जगराम कालिया, एडवोकेट सुभाष कामरेड, एडवोकेट ढुलीचंद, ओमप्रकाश महेंद्रगढ़, अनिल करीरा, लालाराम कारोता, राष्ट्रीय बेरोजगार मोर्चा प्रधान अरुण सिंह आदि मौजूद रहे।

### हर शिकायत का स्थायी समाधान सुनिश्चित करें: डीसी

**महेंद्रगढ़।** लघु सचिवालय परिसर के कोर्ट रूम में वीरवार को डीसी कैप्टन मनोज कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में डीसी ने आमजन की समस्याएं सुनते हुए समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें सुनी। समाधान शिविर में कुल 45 शिकायतें पंजीकृत हुई। डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि विभागाध्यक्ष स्वयं ऐसी शिकायतों पर संज्ञान लें और शिकायतकर्ता की संतुष्टि को ध्यान में रखते हुए समाधान करवाएं, ताकि वही शिकायत दोबारा न खुले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर को केवल औपचारिकता न मानते हुए जनसेवा का माध्यम समझें और हर शिकायत का समयबद्ध व स्थायी समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए निर्धारित दिन पर समाधान शिविर में पहुंचे और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। इस अवसर पर एसडीएम कनिका गोयल, सीएमजीजीए सौरभ कुमार सोनी, डीएचबीवीएन के कार्यकारी अभियंता रणबीर सिंह, पशुपालन विभाग के एसडीओ डॉ बलजीत सिंह, जिला कल्याण विभाग के एआरओ धर्मेंद्र यादव, नगर पालिका सचिव गौरव कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोसली। कार्यक्रम में कविता प्रस्तुत करते कवि।

### सम्मेलन में कवियों ने श्रोताओं को खूब हंसाया

**कोसली।** कोसली की सामाजिक संस्था प्रेरणा व बाबा धूणा वालाआश्रम बालधन खुर्द के संयुक्त तत्वाधान में मकर संक्रांति के पावन पर्व पर संस्कारों की प्रेरणा हेतु एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मेलन में हलचल हरियाणवी, डा त्रिलोकचंद फतेहपुरी, देवी राम शर्मा, दलबीर फूल व डा महावीर सिंह निर्दोष के साथ कुछ बाल कलाकारों ने संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। डा महावीर सिंह निर्दोष ने 'माता पैदा करदे नहीं भूलूंगी नाम तेरा, अच्छे-अच्छे काम करुगी खूब बढ़ाऊं मान तेरा'। दलवीर फूल द्वारा 'टप टप आंसू पड़े नयन ते आई याद कहानी, बदल गए सब रंग ढंग ये बदली रीत पुरानी'। देवी राम शर्मा ने 'जीवन में अपनाने होंगे हमें 16 संस्कार, सुख में जीवन बने हमारा। डा त्रिलोक चंद फतेहपुरी ने अपनी रचना में बताया कि 'दुनिया में भाई ते बढ़ के और नहीं कोई प्यारा, जय भाई का साथ मिले तो हो जा सै पोबारा'। प्रसिद्ध कवि हलचल हरियाणवी ने 'गायों की गरिमा गिरी मारे फिरते सांड, कुत्तों की हो रही घर-घर आज डिमांड'। संस्था के प्रधान गुरदयाल सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज जो संस्कारों की बात हुई है वे हमारे लिए जरूरी है। हम हमारी संस्कृति और संस्कारों को भूलते जा रहे हैं। बाल कवि भारत, हर्षित, नमन, कार्तिक, अनुज, खुशी, यशिका, इवांशी व बल्लभगढ़ से प्रेम सिंह द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में जितेंद्र, जीतू, संदीप, दुर्गा प्रसाद शास्त्री सहितत क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# डीसी ने किया पाली में बनने वाले गो अभ्यारण्य केंद्र का निरीक्षण

**68 एकड़ जमीन पर बनेगा गो अभ्यारण्य केंद्र**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार जिले को बेसहारा गोवंश से मुक्त करने की दिशा में जिला प्रशासन ने गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने वीरवार को जिले के गांव पाली में बनने वाले गो अभ्यारण्य केंद्र की प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया। इस गो अभ्यारण्य के लिए पंचायत की ओर से 68 एकड़ का प्रस्ताव दिया गया है। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाणा सरकार की ओर से जारी दिशानिर्देशों के अनुसार यहां पर सभी प्रकार की आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य बेसहारा गोवंश को सुरक्षित और स्वच्छ आश्रय प्रदान करना है, ताकि उन्हें सड़कों पर भटकना न पड़े।

उपायुक्त ने बताया कि यहां चारे, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा सुविधाओं व गायों के रहने के लिए उचित शेड का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासन गोसेवा व संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इस अभ्यारण्य के बनने से न केवल गोवंश सुरक्षित होगा, बल्कि सड़कों पर होने वाले हादसों में भी कमी आएगी।

उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तालमेल बिठाकर कार्य करने व निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए।

नारनौल। गो अभ्यारण्य केंद्र का निरीक्षण करते डीसी कैप्टन मनोज कुमार।

### मकर संक्रांति पर खेलकूद आयोजित

**नारनौल।** मकर संक्रांति के पावन अवसर पर छोटी काशी के नाम से मशहूर गांव कमानियां में बुजुर्गों व महिलाओं के लिए आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं ने सामाजिक समरसता व उत्साह का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इस आयोजन में महिलाओं और बुजुर्गों ने पूरे जोश व उमंग के साथ भाग लिया, जिससे गांव का माहौल उत्सवमय बन गया। श्री रामनाथ काशी जन सेवा संगठन की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बुजुर्गों व महिलाओं को सक्रिय जीवनशैली से जोड़ना और पारंपरिक पर्वों को सामाजिक सहभागिता के साथ मनाना रहा। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों की मौजूदगी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया, जिनमें महिलाओं व बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेल मैदान में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बनता था। आयोजन के समापन पर श्री रामनाथ काशी जन सेवा संगठन की ओर से सभी विजेता व उपविजेताओं को सम्मानित किया गया।

### आरती सिंह के नेतृत्व में अटेली में हो रहे विकास कार्य: प्रदीप सराय

**मंडी अटेली।** भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा एवं पूर्व सरपंच प्रदीप सराय ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने अटेली विधानसभा में लगभग एक वर्ष में सिंचाई विभाग से नारनौल ब्रांच सुरजनवास से मानपुरा तक 24.5 करोड़, नारनौल ब्रांच भालखी से राता कलां तक 17.5 करोड़ की लागत से कृष्णावती नदी में पानी पहुंचाया। मार्केट कमेटी से लिंक रोड बौचड़िया से गनियार, ढुलोठ जाट से कलवाड़ी, चंदपुरा सुजापुर से जैतपुर राजस्थान बोर्डर, खेड़ी से रोड़वाल राजस्थान बोर्डर तक, तिगरा से बाछौद, कटकई से सलीमपुर, दौगड़ा से बवानिया, मुंडिया खेड़ा से दौंगडा जाट तक लिंक रोड लगभग छह करोड़ की लागत बनवाए गए। तिगरा, सलीमपुर, उनींदा, ताजपुर, गढी रूथल, सैदपुर गांवों में पाइप लाइन द्वारा जोहड़ों नहरी पानी पहुंचाया। बाबा खेतानाथ आयुर्वेदिक कॉलेज में 63 बीएएमएस की सीटों को बढ़ाकर 100 सीटों को मंजूर करवाया। वहीं बिहाली में अंतरराष्ट्रीय स्तर का खेल स्टेडियम बनाया जाएगा। अटेली में पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस बनाया जाएगा।

### सीएल क्रिकेट अकादमी बनी विजेता

**नारनौल।** सीएल क्रिकेट अकादमी व एलसीआरटी क्रिकेट अकादमी पानीपत के बीच अंडर 14 की क्रिकेट तीन मैचों की श्रृंखला खेली गई। जिसमें सीएल क्रिकेट अकादमी ने अपने तीनों मुकाबले जीते। इस श्रृंखला के बेस्ट बल्लेबाज आरव ग्रेवाल रहे। जिन्होंने तीन मैचों में 104 रन बनाए व हार्दिक लंबा इस श्रृंखला के बेस्ट गेंदबाज रहे, जिन्होंने सात विकेट लिए। दीपांशु को उनके ऑलराउंड परफॉर्मेंस के बेस पर इस श्रृंखला का मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

### एक्सन मोड में भाजपा जिलाध्यक्ष, नशा मुक्ति केंद्र का लिया जायजा

**रेवाड़ी।** भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली इस समय पूरी तरह एक्टिव मोड में हैं। वह पार्टी की गतिविधियों को तीव्रता प्रदान करने के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रियता बढ़ा रही हैं। इसी कड़ी में उन्होंने वीरवार को जिला बाल कल्याण परिषद की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्ति का केंद्र दौरा किया। वंदना ने केंद्र में चल रही गतिविधियों, उपचार व्यवस्था एवं पुनर्वास कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होने नशे की लत से जूझ रहे युवाओं से संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाया तथा उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नशा समाज और परिवार दोनों के लिए घातक है तथा इससे मुक्ति के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक है। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र के स्टाफ द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे केंद्र समाज में जागरूकता फैलाने और युवाओं को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने आमजन से अपील की कि नशे के खिलाफ अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और जरूरतमंद लोगों को नशा मुक्ति केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें। जिला बाल कल्याण अधिकारी विरेंद्र यादव बताया कि नशा मुक्ति केंद्र में उपचार पूर्णतया निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाता है जिसमे मरीजो को खाना भी निःशुल्क दिया जाता है, उन्होने बताया कि माननीय उपायुक्त की अध्यक्षता में नशा मुक्ति केंद्र का संचालन परिषद द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान के तहत किया जा रहा है। केंद्र में 15 मरीजो को उपचार की सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर उनके साथ कुलदीप चौहान, महामंत्री, सतपाल धुपिया, कार्यालय प्रभारी हिमांशु पालीवाल, पिंकी, कार्यक्रम अधिकार जोगेन्द्र सिंह व स्टाफ के सदस्य मौजूद रहे।

**बैठक** हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष ने गोशालाओं व नंदीशालाओं की समीक्षा बैठक ली

# जिले में 2300 गोवंश बेसहारा, एक माह में गोशालाओं में भेजने के दिए-निर्देश

**सीएम के नेतृत्व में सरकार बेसहारा गोमुक्त हरियाणा बनाने को प्रतिबद्ध: श्रवण कुमार गर्ग**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार बेसहारा गोमुक्त हरियाणा बनाने को प्रतिबद्ध है। सरकार ने गोवंश के संरक्षण व गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरकार ने गोसेवा के बजट में अभूतपूर्व बढ़ोतरी की है। इससे गोशाला संचालकों को प्रबंधन में आसानी हुई है। गर्ग वीरवार को लघु सचिवालय में पशुपालन विभाग के अधिकारियों तथा जिले की गोशालाओं व नंदीशालाओं के प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक में बोल रहे थे। उनके साथ गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष पूर्णमल यादव भी मौजूद थे। हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार बेसहारा गोवंश को सुरक्षित आश्रय देने के लिए सरकार ने प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक गौ अभयारण्य बनाने का लक्ष्य रखा है। हिसार व पानीपत जैसे जिलों में बड़े गो अभयारण्य पहले ही स्थापित किए जा चुके हैं, जहां हजारों गायों के रहने और चारे की आधुनिक व्यवस्था है। ऐसा ही गो अभयारण्य महेंद्रगढ़ जिले के गांव पाली में बनेगा। इसके लिए ग्राम पंचायत का 68 एकड़ जमीन का प्रस्ताव सरकार को मिल चुका है। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग 2300 गोवंश बेसहारा हैं। इन सभी को एक माह में गोशालाओं में भेजने के निर्देश दिए। सभी गोशाला संचालकों ने भी इस पर सहमति दी। उन्होंने कहा कि गोशालाओं के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए सरकार ने पंजीकृत गोशालाओं के लिए बिजली की दर घटाकर मात्र दो रुपये प्रति यूनिट कर दी है। इससे पहले गोशालाओं को व्यावसायिक या घरेलू दरों पर भुगतान करना पड़ता था, जो काफी महंगा था। अगर किसी का बिल अधिक है तो उसे ठीक कराएं। उन्होंने कहा कि इससे अलावा सरकार ने राज्य में 331 गोशालाओं में सोलर पैनल लगाए हैं। गोशाला प्रबंधन इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। गर्ग ने सरकार के ऐतिहासिक निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि अब विकसित भारत जी राम जी के तहत गोशालाओं में काम करवाया जा सकता है। इससे नागरिकों को उनके घर के आसपास रोजगार मिलेगा।

सरकार पात्र नागरिकों को 125 दिन के रोजगार की गारंटी देती है। उन्होंने कहा कि मृत गोवंश के लिए सभी जिलों में हडवारा बनाए जाएंगे, ताकि गोवंश को सम्मान के साथ समाधि दी जा सके।

नारनौल। गोशाला संचालकों की बैठक लेते हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार। फोटो : हरिभूमि

#### ये रहे मौजूद

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, डीएसपी सुरेश कुमार, डीडीएएच चंद्रभान सोनी व डीडीपीओ प्रमोद कुमार भी मौजूद थे।

### गोसेवा आयोग के चेयरमैन ने की अधिकारियों से मंत्रणा

# सड़कों पर गोवंश को लेकर चेयरमैन सख्त, अफसरों को दिए निर्देश

**गोवंश की रक्षा के लिए गो-अभ्यारण बनाने की बात कही**

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा गोसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह इस बात को सुनिश्चित करें कि गोवंश सड़कों पर घूमते दिखाई नहीं दें। गो-संवर्धन के लिए आयोग व प्रदेश सरकार गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। गोवंश संवर्धन व संरक्षण गो-अभ्यारण स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। गर्ग वीरवार को जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक में दिशा-निर्देश दे रहे थे। उनके आगमन पर डीसी अभिषेक मीणा ने उनका स्वागत किया। गर्ग ने कहा कि जिले की सड़कों पर कोई गोवंश नजर नहीं आना चाहिए। सड़क पर घूम रहे गोवंश को गोशालाओं में पहुंचाएं। अगर कोई पशु घायल है या उसके पुनर्वास की जरूरत है तो इसके लिए 1962 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें, ताकि गोवंश को आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने बेसहारा गोवंश की टैगिंग, टीकाकरण, अनुदान प्राप्ति, दो रुपए प्रति यूनिट

रेवाड़ी। अधिकारियों व गोशाला संचालकों की बैठक लेते हुए श्रवण कुमार गर्ग। फोटो : हरिभूमि

की रियायती बिजली सुविधा तथा विभिन्न पोर्टल योजनाओं में समय पर आवेदन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोवंश से प्राप्त उत्पादों की मार्केटिंग को बढ़ावा देने के लिए भी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोशालाओं को ई-रिक्शा प्रदान करने की सभी प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है, जल्द ही जरूरत के अनुसार सभी गोशालाओं में ई-रिक्शा उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। गोशालाओं के लिए रजिस्ट्री खर्चा जीरो कर दिया गया है और प्रॉपर्टी टैक्स से गोशालाओं को मुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि दूसरे प्रदेशों से आने वाले गोवंशों को रोकने के लिए जिला प्रशासन सख्त कदम उठाए। पुलिस विभाग पूरी सख्ती के साथ बाहर से आने वाले गोवंशों को रोकने की दिशा में कार्य करें। दूसरे राज्यों से आने वाले गोवंशों के वाहन की पूरी तरह से जांच पड़ताल कर ही जिला की सीमा में प्रवेश दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि काउ टास्क फोर्स की बैठक प्रत्येक माह सुनिश्चित की जाए और उसकी कार्यवाही गो सेवा आयोग को भिजवाई जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से गोशालाओं की व्यवस्थाओं और उनमें बेसहारा गोवंश पुनर्वास अभियान की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही गोसेवा आयोग की योजनाओं के बारे में भी विस्तार से अवगत करवाते हुए उनकी अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

#### कारोली गांव में गो अभ्यारण प्रस्तावित

आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा सभी जिलों में गो-अभ्यारण केंद्र बनाने को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं, जहां गोवंश के रहने के लिए पर्याप्त जगह हो। इसी के तहत रेवाड़ी जिला के गांव कारौली की पंचायत की जमीन पर करीब 62 एकड़ में गो-अभ्यारण केंद्र बनाया जाना प्रस्तावित है। इस दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। इसके बनने से जिले के काफी संख्या में खुले में घूम रहे गोवंश को इनमें रखा जा सकेगा।

#### गोशाला संचालकों से निरंतर बैठक

बैठक के दौरान डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि जिला में संचालित गोशालाओं में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरंतर संचालकों के साथ जिला प्रशासन द्वारा बैठक की जाती है। इसके अलावा सड़कों पर घूम रहे गोवंश को पकड़कर गोशालाओं में भी भिजवाने के लिए नगर परिषद कार्य कर रही है। उन्होंने चेयरमैन को आश्वस्त किया उनके दिशा-निदेर्शों की गंभीरता से पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी।

#### बैठक में यह लोग रहे मौजूद

इस अवसर पर गोशाला आयोग के वाइस चेयरमैन पूर्ण यादव, पशुपालन विभाग के उपनिदेशक नसीब सिंह, डीडीपीओ एचपी बंसल, नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता अंकित कुमार सहित अन्य अधिकारी और गोशालाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

रेवाड़ी। वरमाला डालकर शादी के बंधन में बंधे जोड़े तथा घोड़े पर निकासी की रस्म अदा करते दूल्हे। फोटो : हरिभूमि

# शहरवासियों पर सर्वजातीय विवाह की छाप एक साथ बंधन में बंधे सर्वजातीय 17 जोड़े

- भव्य मंच पर जोड़ों ने एक साथ डाली वरमाला 17वेदी,17 पंडित और 17 जोड़ों का विवाह संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

घुड़चढ़ी हुई, तोरण चटके और फिर हुई वरमाला। पूर्ण सनातन परंपरा एवं रस्मों रिवाज से 17 जोड़ों ने अग्नि को साक्षी मानकर एक-दूसरे को जीवन साथी चुन लिया। भव्य मंच पर दुल्हा-दुल्हन को विधायक लक्ष्मण सिंह यादव एवं भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली समेत अनेक गणमान्य लोगों ने शुभाशीष दिया। श्री श्याम सेवा समिति ट्रस्ट की ओर से आयोजित सर्वजातीय विवाह समारोह नगरवासियों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ गया।

समिति के सरपस्त महेश चंद पतसरिया ने विवाह के परंपरागत गीतों तथा भजन गायक संजय शर्मा ने श्याम बाबा के भजनों से समां बांध दिया। श्री श्याम समिति के 23वें समारोह में 17 जोड़ों के विवाह के साथ 520 विवाह संपन्न कराना अपने आप में एक मिसाल है। समारोह की शुरूआत श्यामजी की पूजा से हुई जिसमें ट्रस्ट के सचिव शरद गोयल व ट्रस्टी दीपक पाल्हावास सपत्नीक शामिल हुए। विधायक की अध्यक्षता में संपन्न हुए समारोह में बीएमजी ग्रुप के चेयरमैन राधेश्याम गुप्ता, समाजसेवी विकास गर्ग, ब्लाक समिति चेयरमैन प्रदीप बाम्बड, अजय पाटौदा, समाजसेवी रमेश सचदेवा, नगर परिषद चेयरपर्सन पूनम यादव समेत भाजपा पदाधिकारियों व विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। विधायक की ओर से ट्रस्ट को दो लाख रुपये तथा प्रदेश सरकार के मंत्री विपुल गोयल की ओर से 5 लाख रुपये देने की घोषणा की गई।

#### मंगल कार्य सभी को प्रेरणा देता है

ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी रंगकर्मी गोपाल शर्मा ने बताया कि मुख्य द्वार में घुसते ही शहनाई की मधुर धुन, गुलाबी पटकों से होता मेहमानों का स्वागत, आकर्षक मंच एवं विशाल पांडाल समारोह की भव्यता बयान कर रहे थे। विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष समेत सभी अतिथि इस पुनीत कार्य को देख अभिभूत हो उठे। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की ओर से किए जा रहे इस पुण्य कर्म ने उन्हें भी पुन्य का भागी बना दिया है। श्याम बाबा के दरबार यह मंगल कार्य सभी को प्रेरणा देता है। रंग बिरंगी रोशनी से नहाए मंच पर जहां दुल्हा-दुल्हन आकर्षण का केंद्र रहे वहीं हिंदू स्कूल, गणेशीलाल स्कूल एवं अग्रसेन स्कूल के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

#### सफल बनाया

ट्रस्ट के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल गंडाला वाले, उपप्रधान मनोज गोयल, कोषाध्यक्ष गोबिंद सिंहल, ट्रस्टी राजीव गोयल, प्रेमप्रकाश अग्रवाल, प्रवीण डाटा, सतीश अग्रवाल फनीचर वाले समेत सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने विभिन्न प्रभार संभालकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

## खबर संक्षेप

### प्रमोशन होने पर राजेंद्र का किया गया सम्मान

**कोसली।** नाहड़ खंड संसाधन केंद्र कार्यालय में खंड शिक्षा अधिकारी डा. राजेन्द्र यादव के डिप्टी डीईओ पद पर पदोन्नत होने के उपलक्ष्य में ब्लाक नाहड़ के सरकारी स्कूलों के विद्यालय सूचना प्रबंधकों ने उन्हें पगड़ी पहनाकर बधाई दी। इस मौके पर डिप्टी डीईओ डा. राजेन्द्र यादव ने सभी विद्यालय सूचना प्रबंधकों को उनके कार्यकाल में किए गए उत्कर्ष कार्य की सराहना करते हुए प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान ब्लाक नाहड़ के विद्यालय प्रबंधकों ने न केवल शैक्षणिक कार्यों में बल्कि तकनीकी, प्रशासनिक एवं विभागीय कार्यों में भी उत्कृष्ट योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि यू-डाइस, एमआईएस आनलाइन पोर्टल, विभिन्न सर्वे, रिपोर्टिंग तथा अन्य तकनीकी कार्यों को समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण किया गया, जो एक बड़ी उपलब्धि है।कार्यक्रम में विद्यालय सूचना प्रबंधक मनिंदर यादव , सतीश यादव, रवि कुमार ,पंकज कुमार ,नवीन कुमार , प्रवक्ता ललित कुमार यादव, सतेंद्र यादव, आनंद प्रकाश , सतबीर भगत व परमानंद उपस्थित रहे।

### लिवइन में रह रहा जोड़ा पकड़ा: बच्चा अगवा

**रेवाड़ी।** गत 10 जनवरी को साधुशाह नगर से लगभग 6 साल के मासूम बच्चे का अपहरण करने के आरोप में कॉलोनी में ही लिव-इन में रह रहे जोड़े को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। पुलिस को दर्ज शिकायत में मीरपुर निवासी मंजीत ने बताया था कि वह इस समय साधुशाह नगर में रह रहा है। उसके पड़ोस में एमपी के रामपुर निवासी गोलू दास व मनीषा भी रह रहे थे। दोनों उसके बेटे साहिल को खिलाते थे। 10 जनवरी को साहिल अचानक घर से गायब हो गया। गोलू व मनीषा दोनों के गायब होने के कारण उसने दोनों पर अपहरण का आरोप लगाया था। पुलिस ने 10 जनवरी को अपहरण का केस दर्ज करने के बाद बच्चे व आरोपियों की तलाश शुरू की थी। अगले दिन आजाद चौक के पास से बच्चा बरामद हो गया था। बच्चे ने पूछताछ के दौरान बताया कि गोलू और मनीषा उसे ले गए थे। बाद में उसे छोड़कर कहीं चले गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

### कैबिनेट मंत्री आज लेंगे कई कार्यक्रमों में भाग

**रेवाड़ी।** प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह 16 जनवरी को पाल्हावास, खेड़ा आलमपुर और सीहा में विभिन्न कार्यक्रमों बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहेंगे। मंत्री के निजी प्रवक्ता हरिंद्र यादव ने बताया कि राव नरबीर सिंह 16 जनवरी सुबह 11 बजे गांव पाल्हावास में हनुमान मंदिर में जागरण और भंडारा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचेंगे। इसके उपरांत सुबह 11:30 बजे गांव खेड़ा आलमपुर में स्वतंत्रता सेनानी स्व. लालचंद यादव की प्रतिमा का अनावरण करने के साथ जनसुनवाई भी करेंगे। इसके बाद वन मंत्री दोपहर एक बजे गांव सीहा के बाबा राम स्वरूप दास आश्रम में वन विभाग द्वारा आयोजित खेजड़ी एवं अन्य स्वदेशी वृक्ष बचाओ जन चेतना अभियान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहेंगे। जन चेतना अभियान कार्यक्रम का आयोजन वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक विनीत गर्ग की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री राव नरबीर सिंह जनसमस्याएं भी सुनेंगे।

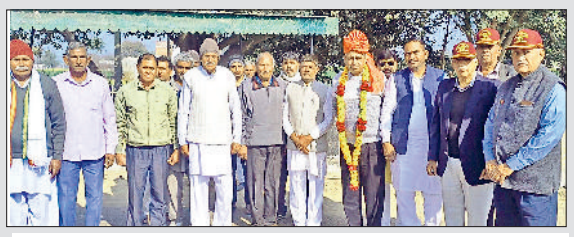

### सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

**कोसली।** गांव कोहारड़ के बाबा हर्षा पुरी मंदिर में सैनिक कैंटीन के प्रबंधक एवं सेवानिवृत्त कैप्टन सीताराम यादव के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गांव के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कैप्टन सीताराम यादव ने बाबा हर्षा पुरी को नमन करने के बाद कहा कि संत के आशीर्वाद से ही उनको जीवन में कामयाबी मिली है। सन 1993 में वे आर्मी में भर्ती हुए तथा वर्ष 2023 में रिटायर होकर आए। फिलहाल वह कोसली की आर्मी कैंटीन में बतौर प्रबंधक सेवारत हैं। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि सेना कैंटीन में सभी पूर्व सैनिक व सैनिक परिवारों को बेहतर सेवाएं मिले। इस मौके पर डहीना पंचायत समिति चेयरमैन कर्णपाल सिंह, चेयरमैन कपिल यादव, सरपंच प्रतिनिधि रणबीर सिंह, महंत ब्रह्मपुरी, प्रवीन यादव, रोहित, संजय, राजकुमार, राजेंद्र दौचानिया, सूरजभान सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

# पंचायती जमीन पर मकान नियमित कराने का आज अंतिम दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

ग्रामीण निवासियों को राहत प्रदान करने और नियोजित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हरियाणा सरकार ने गांवों में अनाधिकृत निमार्णों के नियमितीकरण हेतु एक नीति शुरू की हुई है। यह नीति हरियाणा ग्राम साझा भूमि अधिनियम, 1961 की धारा 5ए में संशोधन के बाद लागू की गई है। जिसके लिए नियमितीकरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 16 जनवरी है। इसके बाद पंचायती जमीनों पर बने मकानों व अन्य निर्माण को तोड़ने की दिशा में कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि नागरिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने धारा 5ए में संशोधन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अब ग्राम पंचायतों को राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से गैर-कृषि योग्य शामलात देह भूमि को उन ग्रामीणों को बिक्री के माध्यम से हस्तांतरित करने का अधिकार देता है, जिन्होंने 31 मार्च, 2004 को या उससे पहले मकान बनाए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसा नियमितीकरण निर्मित क्षेत्रफल के 25 प्रतिशत तक के मकानों और संबंधित खुले स्थानों पर लागू होगा, जो कुल मिलाकर 500 वर्ग गज से अधिक नहीं होना चाहिए। भूमि यातायात या सार्वजनिक उपयोगिताओं में बाधा नहीं डालनी चाहिए, या तालाबों, जल निकायों या रास्तों व फिरनी के लिए आरक्षित नहीं होनी चाहिए। बिक्री बाजार दर से कम दर पर नहीं की जाएगी, जिसका निर्धारण एक निर्धारित तरीके से किया जाएगा और इस निर्धारण के नियमों को जल्द से जल्द अधिसूचित किया जाएगा।

#### बलपूर्वक कार्रवाई करने के संकेत

डीसी ने उन घटनाओं पर चिंता व्यक्त की जहां नए प्रावधानों के तहत भूमि खरीदने की निवासियों की इच्छा के बावजूद, बेदखली याचिकाओं का कड़ा विरोध किया जाता है या इन अनधिकृत निमार्णों को ध्वस्त करने के लिए बलपूर्वक कार्रवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि इस तरह की कार्रवाई एक कल्याणकारी राज्य के व्यापक जनहित में नहीं है और सभी संबंधित अधिकारियों से इस प्रावधान का लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह किया।

#### रेट तय होने तक नहीं होगा एक्शन

जब तक बाजार मूल्य निर्धारित करने के नियमों को आधिकारिक रूप से अधिसूचित नहीं किया जाता, तब तक संबंधित अधिकारियों को ऐसे मकानों को ध्वस्त करने से बचने की सलाह दी गई है। इस उपाय का उद्देश्य संबंधित व्यक्तियों को नियमितीकरण प्रक्रिया से लाभान्वित होने का अवसर प्रदान करना है। हरियाणा सरकार एक अधिक संगठित और सुनियोजित शहरी परिदृश्य बनाने और राज्य भर में अनधिकृत निमार्णों में रहने वाले असंख्य परिवारों के स्वामित्व के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करते हुए नशा मुक्ति टीम।

#### दो गांवों में पहुंची नशा मुक्ति टीम, नशे के प्रति किया जागरूक

**रेवाड़ी।** नशा मुक्त रेवाड़ी अभियान के तहत पुलिस की नशा मुक्ति टीम ने वीरवार को गाजी गोपालपुर व मुरलीपुर गांवों में घर-घर जाकर ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। ग्रामीणों को साइबर अपराधों के प्रति भी सतर्क किया। निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम लगातार गांवों और शिक्षण संस्थाओं में जाकर ग्रामीणा तथा विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने में लगी हुई है। टीम से जुड़े सदस्यों ने ग्रामीणों को बताया कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है, बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है। आप सभी विद्यार्थी देश का भविष्य हो। पढ़ाई, खेल और अपने सपनों में ध्यान लगाओ, नशे जैसी बुरी आदतों से हमेशा दूर रहो। अगर गांव या आस-पास कोई भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को जानकारी दें। साइबर ठगों से बचने को जागरूकता जरूरी नशा मुक्ति टीम ने ग्रामीणों को साइबर अपराध के खतरों से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आजकल अपराधी फोन कॉल, सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी, पासवर्ड आदि हासिल करने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सभी को सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए।

# जिला परिषद विकास के लिए प्रतिबद्ध, धन की कमी नहीं आ रही आड़े: मनोज यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ खोरी

जिला प्रमुख मनोज यादव ने कहा कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और प्रदेश की कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से जिला परिषद को विकास के लिए पर्याप्त धन मिल रहा है। विकासकार्यों की राह में पैसे की कोई कमी आड़े नहीं आ रही है। दोनों मंत्रियों के आशीर्वाद से जिला परिषद के सभी वार्डों में समान रूप से गुणवत्तापरक कार्य कराए जा रहे हैं। जिला प्रमुख मामड़िया आसमपुर में श्री कृष्ण गोशाला के प्रवेश द्वार का उद्घाटन करने के बाद वहां मौजूद ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गोशाला को विभिन्न कार्यों के लिए 25 लाख रुपये की ग्रांट देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि दोनों मंत्री इस क्षेत्र के विकास पर पूरा फोकस कर रहे हैं।

जिला प्रमुख का स्वागत करते ग्रामीण व दानदातों को सम्मानित करते मनोज यादव। फोटो : हरिभूमि

#### ये रहे मौजूद

मामड़िया आसमपुर सरपंच अशोक कुमार, सरपंच संजय, सरपंच विजयपाल गोठड़ा, राजीव, लाला, सत्यवीर सरपंच प्रतिनिधि खोरी, अजीत नंबरदार प्रधान गोशाला सहित कमेटी मेंबर, पशुपालन विभाग के एसडीओ सुरेश कुमार, डॉक्टर अनीता, सरपंच सिद्धार्थ, मास्टर रामपाल, जवाहरलाल दुहन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

# टोल प्लाजा पर डंपरों का जमावड़ा कोहरे में हादसों की आशंका बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुंड

राजस्थान के गांव काठूवास की सीमा में जैसलमेर नेशनल हाइवे पर बने टोल प्लाजा के दोनों ओर डंपरों का जमावड़ा कोहरे के मौसम में सड़क हादसों को न्योता दे रहा है। राजस्थान की सीमा होने के कारण कुंड पुलिस चौकी इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पाती। कस्बे के लोगों ने पुलिस प्रशासन से ऐसे डंपरों के जमावड़े को हटवाने की मांग की है। टोल प्लाजा के पास देर रात तक और सुबह के समय दोनों ओर बड़ी संख्या में डंपर खड़े कर

दिए जाते हैं। टोल प्लाजा के दोनों ओर सड़क की चौड़ाई काफी अधिक है, लेकिन डंपरों के जमावड़े के कारण वाहनों के लिए निकलने को जगह कम ही बचती है। देर रात तक यहां दर्जनों की संख्या में डंपर खड़े रहते हैं। इससे कोहरे के दौरान हाइवे पर तेज रफ्तार वाहन इनसे टकरा सकते हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

### एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 30 को

**मीरपुर।** इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के विधि विभाग की ओर से 30 जनवरी को वाक एवं अभिव्यक्ति का अधिकार और उसकी सीमाएं विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया जाएगा। यह सेमिनार हाइब्रिड मोड में आयोजित होगी, जिसका स्थल विश्वविद्यालय परिसर स्थित मूट कोर्ट रूम, यूआईइटी भवन रहेगा। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी होंगे, जबकि अध्यक्षता कुलसचिव प्रो. दिलबाग सिंह व अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. सुनील कुमार करेंगे।

### भक्ति | संकीर्तन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण श्याममय हो गया

# श्याम महोत्सव: "जहां बिराजे शीश का दानी मेरा है लखदातार..." भजन पर जमकर झूमे श्याम भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

श्रीश्याम सेवा मंडल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 24वें वार्षिक श्री श्याम महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार रात्रि को कीर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संकीर्तन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण श्याममय हो गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विधायक अनिल यादव ने श्याम दरबार में हाजिरी लगाकर क्षेत्र के लिए सुख शांति की कामना की। कीर्तन की शुरूआत भजन गायक कलाकार राजेश जांगड़ा ने गणेश वंदना की स्तुति कर की। वृंदावन से

कोसली। भजन प्रस्तुत करते भजन गायक व मौजूद श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

पधारे कथावाचक भजन गायक दास विनोद हरि ने अपने मधुर भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। तिजारा से आए भजन गायक कलाकार गौरव दत्त ने श्याम बाबा तेरे पास आया हूं, चरणों में तेरे अरदास लाया हूं, जहां बिराजे शीश का दानी मेरा है लखदातार, चलो रे खाटू के दरबार, कोलकाता के विवेक शर्मा ने ऐसा क्या काम किया हमने तेरा, जो मेरा हाथ तुमने थाम लिया, मेरी जिंदगी ही बदल दी, तुमने क्या जरा सा मैंने तेरा नाम लिया, जयपुर से पधारे भजन गायक कलाकार महेश परमार ने अपने भजनों चढ़ती है श्याम नाम की रंगत, कभी-कभी मिलती है प्रेमियों को संगत, कभी-कभी छुड़ाया हाथ हमने था, प्रभु गलती हमारी है पकड़ लो हाथ, काश करके यही विनती हमारी है जैसे भजनों से श्रोताओं को कार्यक्रम से बांधे रखा।

रात्रि कीर्तन के बाद छप्पन भोग का प्रसाद वितरित किया गया। मंडल के प्रधान भोलाराम सिंगला ने आए हुए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।आज प्रातः हवन यज्ञ व भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं को प्रसाद ग्रहण किया।

#### ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला नगर आयुक्त अमन कुमार, जिला पार्षद शारदा यादव, मनिंदर यादव, दिनेश गोयल, उदयभान डागर, बसंत लोहिया, कुलदीप यादव, विजय मूरथला, राजपाल प्रधान, मंडल के पूर्व प्रधान लीलू रामस्वामी, शंकर गर्ग, कपूर बंसल, राजेश जांगड़ा, तेजपाल गर्ग, गौरव गर्ग, मुकेश जांगड़ा, शुभम मंगल, अशोक गोयल, हितेश शर्मा, प्रवीण यादव, रामकरण मलिक, विजय सिंगला, मनोज गुप्ता, रामगोपाल गर्ग, मंडल के अलावा मंडल के कार्यकर्ता मौजूद थे।

### समाधान शिविर में अवैध कब्जों को लेकर शिकायतें

**रेवाड़ी।** समाधान शिविर लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का सशक्त माध्यम बने हुए हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का समय पर निपटान हो। इसके लिए समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का प्राथमिकता से निवारण कर नागरिकों को राहत पहुंचाई जा रही है। एसडीएम सुरेश कुमार ने गुरुवार को लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से प्राथमिकता से निवारण करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में अवैध कब्जा, परिवार पहचान पत्र, बिजली, जल आपूर्ति, पेंशन, राशन कार्ड व पुलिस सहित अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें आई। जिनका एसडीएम सुरेश कुमार ने मौके पर ही निवारण करवाया।